शिल्प की किस्म को सुधारने हेतु प्रोत्साहन देने के लिए किस प्रकार की सहायता दी जा रही है ।

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत): (क) जी हां । मार्च, 1991 की स्थिति के अनुसार देश में चार बिक्री केंद्र अर्थात् बम्बई, बंगलोर, कलकत्ता एवं नई दिल्ली में थे ।

(ख) केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम अपने बिक्री केंद्रों में सिद्ध हस्तशिल्पियों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं की बिक्री करता है लेकिन कुछ मदें, जो उनके पास तुरन्त उपलब्ध नहीं होतीं, अन्य शिल्पियों, सहकारी समितियों एवं सरकारी संस्थानों/एम्पोरियमों से खरीद ली जाती हैं। केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम द्वारा की गई कुल खरीदारी में से 75 प्रतिशत वस्तुयें सिद्ध हस्तशिल्पियों द्वारा बनाई जाती हैं ।

(ग) केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम शिल्पियों को डिजाइन एवं विपणन सहायता प्रदान करता है । एक डिजाइन प्रकोष्ठ अलग से कार्य कर रहा है जो डिजाइन इनपुट्स जुटाता है और उच्च स्तर के उत्पाद तैयार करने में शिल्पियों को शिक्षित करता है । शिल्पियों को भुगतान सामान्यत: शीघ्र ही कुछ सीमा तक नकद कर दिया जाता है ।

Green Line Service to Malaviya Nagar

2601. DR. ABRAR AHMED : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Vikaspuri and Malaviya Nagar localities of Delhi are not covered by Green Line services of D.T.C. especially when these localities are too far from the main shopping complex and only the private bus operators are managing the routes : and

(b) is so, the steps taken in this regard ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) Yes, Sir.

(b) At present there is no proposal to introduce any Green line Service from these localities.

Women workforce in textile industry

2602. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that textile industry is a traditional employer of women in the country;

(b) if so, what is the estimated workforce of women employed in textile industry in the country;

(c) whether it is also a fact that introduction of computer aided design and computer aided manufacturing in the clothing industry will reduce the demand for cutters and designers in which women in the country are generally employed; and

(d) if so, what remedial action Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) Yes, Sir.

(b) The organised mill sector, the handloom sector and the garment sector employ about 405 million women both on full time and part time basis. Exact number of women workers in the powerloom sector and woollen sector is not available.

(c) and (d) Introduction of computer aided design and computer aided manufacturing in the clothing industry will improve design and quality of garments. Cutting work is mostly done by men. Enhanced employment opportunity and work in auxilliary industry is expected to take care of resultant work force.

नाइल एजेंसी द्वारा किए गए अध्ययन

2603. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा : श्री रणजीत सिंह :**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा जनवरी, 1986 में एक नॉडल एजेंसी का गठन किया गया था जिसे कपड़ा मिलों की पुनर्वास व्यवस्था तथा सहुलियतें सुझाने का कार्य सौंपा गया था ;

(ख) यदि हां, तो अगस्त, 1991 तक इस संगठन द्वारा कुल कितनी कपड़ा मिलों का अध्ययन किया ;